काल भैरव अष्टकम – सम्पूर्ण संस्कृत पाठ

(Kaal Bhairav Ashtakam – Complete Sanskrit Text)

श्लोक १

संस्कृत:

देवराजसेव्यमानपावनाङ्घ्रिपङ्कजं
व्यालयज्ञसूत्रमिन्दुशेखरं कृपाकरम्।
नारदादियोगिवृन्दवन्दितं दिगंबरं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥१॥

Transliteration:

Devaraja Sevyamana Pavananghri Pankajam
Vyala Yajna Sutram Indu Shekharam Krupakaaram
Naradadi Yogi Vrunda Vanditam Digambaram
Kashika Puraadhinath Kala Bhairavam Bhaje

हिंदी अर्थ: जिनके पवित्र चरण-कमलों की देवराज इंद्र भी सेवा करते हैं, जिन्होंने यज्ञसूत्र के स्थान पर सर्प धारण किया है, जो चंद्रमा को मस्तक पर धारण करने वाले और कृपा के सागर हैं, जिन्हें नारद जैसे योगी भी प्रणाम करते हैं, जो दिगंबर हैं — ऐसे काशी के अधिपति **काल भैरव** की मैं भक्तिपूर्वक उपासना करता हूँ।

श्लोक २

संस्कृत:

भानुकोटिभास्वरं भवाब्धितारकं परं
नीलकण्ठमीप्सितार्थदायकं त्रिलोचनम्।
कालकालमंबुजाक्षमक्षशूलमक्षरं
काशिका पुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥२॥

Transliteration:

Bhanu Koti Bhasvaram Bhavabdhi Tarakam Param
Nila Kantham Ipsitartha Dayakam Trilocanam
Kala Kalam Ambujaksham Aksha Shulam Aksharam
Kashika Puraadhinath Kala Bhairavam Bhaje

हिंदी अर्थ: जो करोड़ों सूर्यों के समान तेजस्वी हैं, जो संसार-सागर से पार कराने वाले हैं, जो नीलकंठ और तीन नेत्रों वाले हैं, जो काल के भी काल हैं, जो कमल जैसे नेत्रों वाले और त्रिशूल धारण किए हुए हैं — ऐसे **काल भैरव** की मैं भक्तिपूर्वक उपासना करता हूँ।

श्लोक ३

संस्कृत:

शूलटङ्कपाशदण्डपाणिमादिकारणं
श्यामकायमादिदेवमक्षरं निरामयम्।
भीमविक्रमं प्रभुं विचित्रताण्डवप्रियं
काशिका पुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥३॥

Transliteration:

Shula Tanka Pasha Danda Panim Aadi Karanam
Shyama Kayam Aadi Devam Aksharam Niramayam
Bhima Vikramam Prabhum Vichitra Tandava Priyam
Kashika Puraadhinath Kala Bhairavam Bhaje

हिंदी अर्थ: जो शूल, टंक, पाश और दंड धारण करते हैं, जो समस्त सृष्टि के आदिकारण हैं, जिनका शरीर श्यामवर्ण है, जो अक्षर और निरोगी हैं, जो तांडव नृत्य में रत रहते हैं — ऐसे **काल भैरव** की मैं उपासना करता हूँ।

श्लोक ४

संस्कृत:

भुक्तिमुक्तिदायकं प्रशस्तचारुविग्रहं
भक्तवत्सलं स्थितं समस्तलोकविग्रहम्।
विनिक्वणन्मनोज्ञहेमकिङ्किणीलसत्कटिं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥४॥

Transliteration:

Bhukti Mukti Dayakam Prashasta Charu Vigraham
Bhakta Vatsalam Sthitam Samasta Loka Vigraham
Vinikvanam Manogya Hema Kinkini Lasat Katim
Kashika Puraadhinath Kala Bhairavam Bhaje

हिंदी अर्थ: जो भोग और मोक्ष दोनों प्रदान करते हैं, जिनका स्वरूप अत्यंत मनोहर है, जो भक्तों पर स्नेह रखते हैं, जिनकी कमर में सुंदर सोने की घंटियाँ झनझनाती हैं — ऐसे **काल भैरव** की मैं उपासना करता हूँ।

श्लोक ५

संस्कृत:

धर्मसेतुपालकं त्वधर्ममार्गनाशकं
कर्मपाशमोचकं सुशर्मदायकं विभुम्।

स्वर्णवर्णशेषपाशशोभिताङ्गमण्डलं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥५॥

Transliteration:

Dharma Setu Palakam Tvadharna Marga Nashakam
Karma Pasha Mochakam Susharma Dayakam Vibhum
Swarna Varna Shesha Pasha Shobhitanga Mandalam
Kashika Puraadhinath Kala Bhairavam Bhaje

हिंदी अर्थ: जो धर्म के सेतु की रक्षा करते हैं और अधर्म के मार्ग का नाश करते हैं, जो कर्म-बंधन से मुक्ति देते हैं, जिनका शरीर स्वर्ण-वर्ण सर्प से सुशोभित है — ऐसे **काल भैरव** की मैं उपासना करता हूँ।

श्लोक ६

संस्कृत:

रत्नपादुकाप्रभाभिरामपादयुग्मकं
नित्यमद्वितीयमिष्टदैवतं निरञ्जनम्।
मृत्युदर्पनाशनं कराळदंष्ट्रमोक्षणं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥६॥

Transliteration:

Ratna Paduka Prabha Abhirama Pada Yugmakam
Nityam Advitiyam Ishta Daivatam Niranjanam
Mrityu Darpa Nashanam Karala Damshtra Mokshanam
Kashika Puraadhinath Kala Bhairavam Bhaje

हिंदी अर्थ: जो रत्न-जड़ित पादुकाएं धारण करते हैं, जो नित्य, अद्वितीय और निर्मल हैं, जो मृत्यु के अहंकार को नष्ट करते हैं और विकराल दाढ़ों से मोक्ष प्रदान करते हैं — ऐसे **काल भैरव** की मैं उपासना करता हूँ।

श्लोक ७

संस्कृत:

अट्टहासभिन्नपद्मजाण्डकोशसन्ततिं
दृष्टिपातनष्टपापजालमुग्रशासनम्।
अष्टसिद्धिदायकं कपालमालिकन्धरं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥७॥

Transliteration:

Attahasa Bhinna Padmaja Anda Kosha Santatim
Drishti Pata Nashta Papa Jalam Ugra Shasanam

Ashta Siddhi Dayakam Kapala Malika Kandharam
Kashika Puraadhinath Kala Bhairavam Bhaje

हिंदी अर्थ: जिनके अट्टहास से ब्रह्मांड कंपित हो जाता है, जिनकी दृष्टि मात्र से पापों का जाल नष्ट हो जाता है, जो अष्ट सिद्धियाँ प्रदान करते हैं और कपालों की माला पहनते हैं — ऐसे **काल भैरव** की मैं उपासना करता हूँ।

श्लोक ८

संस्कृत:

भूतसङ्घनायकं विशालकीर्तिदायकं
काशिवासलोकपुण्यपापशोधकं विभुम्।
नीतिमार्गकोविदं पुरातनं जगत्पतिं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजे ॥८॥

Transliteration:

Bhoota Sangha Nayakam Vishala Kirti Dayakam
Kashi Vasa Loka Punya Papa Shodhakam Vibhum
Neeti Marga Kovidam Puraatanam Jagat Patim
Kashika Puraadhinath Kala Bhairavam Bhaje

हिंदी अर्थ: जो भूत-गणों के नायक हैं, विशाल कीर्ति प्रदान करने वाले हैं, जो काशीवासियों के पाप और पुण्य का शोधन करते हैं, जो नीति-मार्ग के ज्ञाता और जगत के स्वामी हैं — ऐसे **काल भैरव** की मैं उपासना करता हूँ।

फल-श्रुति श्लोक (Phala Shruti)

संस्कृत:

कालभैरवाष्टकं पठन्ति ये मनोहरं
ज्ञानमुक्तिसाधनं विचित्रपुण्यवर्धनम्।
शोकमोहदैन्यलोभकोपतापनाशनं
ते प्रयान्ति कालभैरवाङ्घ्रिसन्निधिं ध्रुवम् ॥९॥

Transliteration:

Kala Bhairav Ashtakam Pathanti Ye Manoharam
Gyana Mukti Sadhanam Vichitra Punya Vardhanam
Shoka Moha Dainya Lobha Kopa Tapa Nashanam
Te Prayanti Kala Bhairav Anghri Sannidhim Dhruvam

हिंदी अर्थ: जो भक्त इस मनोहर **Kaal Bhairav Ashtakam** का पाठ करते हैं — जो ज्ञान-मुक्ति का साधन है, अनेक पुण्यों को बढ़ाने वाला है और शोक, मोह, दीनता, लोभ, क्रोध तथा ताप को नष्ट करने वाला है — वे निश्चित रूप से भगवान काल भैरव के चरणों की समीपता प्राप्त करते हैं।